



**Antoninus Diana Panormitanus, Clericus Regularis, Doctor
Celeberrimus, Coram S. D. N. Alexandro VII. Episcoporum
Examinator, & Sancti Officij Regni Siciliae Consultor,
Coordinatus, Seu Omnes ...**

Diana, Antonino

Lugduni, M. DC. LXXX.

95. An Episcopus beneficij possit dispensare in interstitiis? Et quid de illegitimitate ad minores ORDines? Ex p. 8. tr. 2. ref. 25. p. 317.

[urn:nbn:de:hbz:466:1-76405](https://nbn-resolving.org/urn:nbn:de:hbz:466:1-76405)

§. supra in Refol. 84. §. Difficultas tamen, & in Ref. 85. §. Afferitur quod, & in Ref. 86. §. 87. & 88. & pro omnibus privilegiis conueniunt hoc §. leges. Neque per totum, Ref. 89. §. 90. §. 91. & in totum, Ref. 92. §. 93. §. 94. §. 95. §. 96. §. 97. §. 98. §. 99. §. 100. §. 101. §. 102. §. 103. §. 104. §. 105. §. 106. §. 107. §. 108. §. 109. §. 110. §. 111. §. 112. §. 113. §. 114. §. 115. §. 116. §. 117. §. 118. §. 119. §. 120. §. 121. §. 122. §. 123. §. 124. §. 125. §. 126. §. 127. §. 128. §. 129. §. 130. §. 131. §. 132. §. 133. §. 134. §. 135. §. 136. §. 137. §. 138. §. 139. §. 140. §. 141. §. 142. §. 143. §. 144. §. 145. §. 146. §. 147. §. 148. §. 149. §. 150. §. 151. §. 152. §. 153. §. 154. §. 155. §. 156. §. 157. §. 158. §. 159. §. 160. §. 161. §. 162. §. 163. §. 164. §. 165. §. 166. §. 167. §. 168. §. 169. §. 170. §. 171. §. 172. §. 173. §. 174. §. 175. §. 176. §. 177. §. 178. §. 179. §. 180. §. 181. §. 182. §. 183. §. 184. §. 185. §. 186. §. 187. §. 188. §. 189. §. 190. §. 191. §. 192. §. 193. §. 194. §. 195. §. 196. §. 197. §. 198. §. 199. §. 200. §. 201. §. 202. §. 203. §. 204. §. 205. §. 206. §. 207. §. 208. §. 209. §. 210. §. 211. §. 212. §. 213. §. 214. §. 215. §. 216. §. 217. §. 218. §. 219. §. 220. §. 221. §. 222. §. 223. §. 224. §. 225. §. 226. §. 227. §. 228. §. 229. §. 230. §. 231. §. 232. §. 233. §. 234. §. 235. §. 236. §. 237. §. 238. §. 239. §. 240. §. 241. §. 242. §. 243. §. 244. §. 245. §. 246. §. 247. §. 248. §. 249. §. 250. §. 251. §. 252. §. 253. §. 254. §. 255. §. 256. §. 257. §. 258. §. 259. §. 260. §. 261. §. 262. §. 263. §. 264. §. 265. §. 266. §. 267. §. 268. §. 269. §. 270. §. 271. §. 272. §. 273. §. 274. §. 275. §. 276. §. 277. §. 278. §. 279. §. 280. §. 281. §. 282. §. 283. §. 284. §. 285. §. 286. §. 287. §. 288. §. 289. §. 290. §. 291. §. 292. §. 293. §. 294. §. 295. §. 296. §. 297. §. 298. §. 299. §. 300. §. 301. §. 302. §. 303. §. 304. §. 305. §. 306. §. 307. §. 308. §. 309. §. 310. §. 311. §. 312. §. 313. §. 314. §. 315. §. 316. §. 317. §. 318. §. 319. §. 320. §. 321. §. 322. §. 323. §. 324. §. 325. §. 326. §. 327. §. 328. §. 329. §. 330. §. 331. §. 332. §. 333. §. 334. §. 335. §. 336. §. 337. §. 338. §. 339. §. 340. §. 341. §. 342. §. 343. §. 344. §. 345. §. 346. §. 347. §. 348. §. 349. §. 350. §. 351. §. 352. §. 353. §. 354. §. 355. §. 356. §. 357. §. 358. §. 359. §. 360. §. 361. §. 362. §. 363. §. 364. §. 365. §. 366. §. 367. §. 368. §. 369. §. 370. §. 371. §. 372. §. 373. §. 374. §. 375. §. 376. §. 377. §. 378. §. 379. §. 380. §. 381. §. 382. §. 383. §. 384. §. 385. §. 386. §. 387. §. 388. §. 389. §. 390. §. 391. §. 392. §. 393. §. 394. §. 395. §. 396. §. 397. §. 398. §. 399. §. 400. §. 401. §. 402. §. 403. §. 404. §. 405. §. 406. §. 407. §. 408. §. 409. §. 410. §. 411. §. 412. §. 413. §. 414. §. 415. §. 416. §. 417. §. 418. §. 419. §. 420. §. 421. §. 422. §. 423. §. 424. §. 425. §. 426. §. 427. §. 428. §. 429. §. 430. §. 431. §. 432. §. 433. §. 434. §. 435. §. 436. §. 437. §. 438. §. 439. §. 440. §. 441. §. 442. §. 443. §. 444. §. 445. §. 446. §. 447. §. 448. §. 449. §. 450. §. 451. §. 452. §. 453. §. 454. §. 455. §. 456. §. 457. §. 458. §. 459. §. 460. §. 461. §. 462. §. 463. §. 464. §. 465. §. 466. §. 467. §. 468. §. 469. §. 470. §. 471. §. 472. §. 473. §. 474. §. 475. §. 476. §. 477. §. 478. §. 479. §. 480. §. 481. §. 482. §. 483. §. 484. §. 485. §. 486. §. 487. §. 488. §. 489. §. 490. §. 491. §. 492. §. 493. §. 494. §. 495. §. 496. §. 497. §. 498. §. 499. §. 500. §. 501. §. 502. §. 503. §. 504. §. 505. §. 506. §. 507. §. 508. §. 509. §. 510. §. 511. §. 512. §. 513. §. 514. §. 515. §. 516. §. 517. §. 518. §. 519. §. 520. §. 521. §. 522. §. 523. §. 524. §. 525. §. 526. §. 527. §. 528. §. 529. §. 530. §. 531. §. 532. §. 533. §. 534. §. 535. §. 536. §. 537. §. 538. §. 539. §. 540. §. 541. §. 542. §. 543. §. 544. §. 545. §. 546. §. 547. §. 548. §. 549. §. 550. §. 551. §. 552. §. 553. §. 554. §. 555. §. 556. §. 557. §. 558. §. 559. §. 560. §. 561. §. 562. §. 563. §. 564. §. 565. §. 566. §. 567. §. 568. §. 569. §. 570. §. 571. §. 572. §. 573. §. 574. §. 575. §. 576. §. 577. §. 578. §. 579. §. 580. §. 581. §. 582. §. 583. §. 584. §. 585. §. 586. §. 587. §. 588. §. 589. §. 590. §. 591. §. 592. §. 593. §. 594. §. 595. §. 596. §. 597. §. 598. §. 599. §. 600. §. 601. §. 602. §. 603. §. 604. §. 605. §. 606. §. 607. §. 608. §. 609. §. 610. §. 611. §. 612. §. 613. §. 614. §. 615. §. 616. §. 617. §. 618. §. 619. §. 620. §. 621. §. 622. §. 623. §. 624. §. 625. §. 626. §. 627. §. 628. §. 629. §. 630. §. 631. §. 632. §. 633. §. 634. §. 635. §. 636. §. 637. §. 638. §. 639. §. 640. §. 641. §. 642. §. 643. §. 644. §. 645. §. 646. §. 647. §. 648. §. 649. §. 650. §. 651. §. 652. §. 653. §. 654. §. 655. §. 656. §. 657. §. 658. §. 659. §. 660. §. 661. §. 662. §. 663. §. 664. §. 665. §. 666. §. 667. §. 668. §. 669. §. 670. §. 671. §. 672. §. 673. §. 674. §. 675. §. 676. §. 677. §. 678. §. 679. §. 680. §. 681. §. 682. §. 683. §. 684. §. 685. §. 686. §. 687. §. 688. §. 689. §. 690. §. 691. §. 692. §. 693. §. 694. §. 695. §. 696. §. 697. §. 698. §. 699. §. 700. §. 701. §. 702. §. 703. §. 704. §. 705. §. 706. §. 707. §. 708. §. 709. §. 710. §. 711. §. 712. §. 713. §. 714. §. 715. §. 716. §. 717. §. 718. §. 719. §. 720. §. 721. §. 722. §. 723. §. 724. §. 725. §. 726. §. 727. §. 728. §. 729. §. 730. §. 731. §. 732. §. 733. §. 734. §. 735. §. 736. §. 737. §. 738. §. 739. §. 740. §. 741. §. 742. §. 743. §. 744. §. 745. §. 746. §. 747. §. 748. §. 749. §. 750. §. 751. §. 752. §. 753. §. 754. §. 755. §. 756. §. 757. §. 758. §. 759. §. 760. §. 761. §. 762. §. 763. §. 764. §. 765. §. 766. §. 767. §. 768. §. 769. §. 770. §. 771. §. 772. §. 773. §. 774. §. 775. §. 776. §. 777. §. 778. §. 779. §. 780. §. 781. §. 782. §. 783. §. 784. §. 785. §. 786. §. 787. §. 788. §. 789. §. 790. §. 791. §. 792. §. 793. §. 794. §. 795. §. 796. §. 797. §. 798. §. 799. §. 800. §. 801. §. 802. §. 803. §. 804. §. 805. §. 806. §. 807. §. 808. §. 809. §. 810. §. 811. §. 812. §. 813. §. 814. §. 815. §. 816. §. 817. §. 818. §. 819. §. 820. §. 821. §. 822. §. 823. §. 824. §. 825. §. 826. §. 827. §. 828. §. 829. §. 830. §. 831. §. 832. §. 833. §. 834. §. 835. §. 836. §. 837. §. 838. §. 839. §. 840. §. 841. §. 842. §. 843. §. 844. §. 845. §. 846. §. 847. §. 848. §. 849. §. 850. §. 851. §. 852. §. 853. §. 854. §. 855. §. 856. §. 857. §. 858. §. 859. §. 860. §. 861. §. 862. §. 863. §. 864. §. 865. §. 866. §. 867. §. 868. §. 869. §. 870. §. 871. §. 872. §. 873. §. 874. §. 875. §. 876. §. 877. §. 878. §. 879. §. 880. §. 881. §. 882. §. 883. §. 884. §. 885. §. 886. §. 887. §. 888. §. 889. §. 890. §. 891. §. 892. §. 893. §. 894. §. 895. §. 896. §. 897. §. 898. §. 899. §. 900. §. 901. §. 902. §. 903. §. 904. §. 905. §. 906. §. 907. §. 908. §. 909. §. 910. §. 911. §. 912. §. 913. §. 914. §. 915. §. 916. §. 917. §. 918. §. 919. §. 920. §. 921. §. 922. §. 923. §. 924. §. 925. §. 926. §. 927. §. 928. §. 929. §. 930. §. 931. §. 932. §. 933. §. 934. §. 935. §. 936. §. 937. §. 938. §. 939. §. 940. §. 941. §. 942. §. 943. §. 944. §. 945. §. 946. §. 947. §. 948. §. 949. §. 950. §. 951. §. 952. §. 953. §. 954. §. 955. §. 956. §. 957. §. 958. §. 959. §. 960. §. 961. §. 962. §. 963. §. 964. §. 965. §. 966. §. 967. §. 968. §. 969. §. 970. §. 971. §. 972. §. 973. §. 974. §. 975. §. 976. §. 977. §. 978. §. 979. §. 980. §. 981. §. 982. §. 983. §. 984. §. 985. §. 986. §. 987. §. 988. §. 989. §. 990. §. 991. §. 992. §. 993. §. 994. §. 995. §. 996. §. 997. §. 998. §. 999. §. 1000.

simè me citato mordicus docet, & firmat Leandrus de sacram. tom. 2. tract. 6. disput. 11. q. 23. Primò, ait ille, quia hoc privilegium fuit olim concessum Mendicantibus, & postea à Clemente VIII. absque limitatione confirmatum. Secundò, quia idem privilegium concesserat Alexander VI. & Eugenius IV. Monachus S. Hieronymi, & S. Benedicti. Tertio, quia simile privilegium concessit Clemens VIII. Congregationi S. Ioannis Euangelista in Portugallia. Quarto denique, quia idem privilegium concessit Societati Iesv Gregorius XIII. die 21. Septembris 1582. qui licet prohibuerit illud communicari alijs Ordinibus, communicant tamen multi: nam alij Summi Pontifices successores Gregorij XIII. privilegia Societatis Iesv multis Ordinibus absolute concesserunt. Et nouissimè nobis discalearis, ipsorum privilegia, nec non & Monachorum S. Hieronymi, & S. Benedicti, & aliorum Ordinum, & Congregationum, à S. D. N. Urbano VIII. absolute, & pariformiter concessa, communicata fuerunt anno Domini 1634. die 28. Martij. Possumus ergo nos, & omnes alij Regulares, virtute privilegiorum, à quocumque Episcopo per extra tempora, quibusuis Ordinibus initiati. Hucusque Leandrus, cui adde, me etiam citato, Patrem Auerlam ubi supra, de Sacramento Ordinis, quest. 33. c. 9. §. Qui vero, aliquem, ubi asserit hanc opinionem esse turam in praxi, & testatur se vidisse illà practicatam in pluribus Diocesis, & in Romana ipsa vrbè.

RESOL. XCV.

An Episcopus beneficij possit dispensare in interstitiis? Et quid de illegimitate ad minores Ordines? Ex p. 8. tr. 2. Ref. 25.

Sup. hoc supra in Ref. 145. Sed si.

§. 1. Negatiuè respondet Marius Antoninus var. resol. lib. 1. resol. 11. 2. ca. 28. cum non possit iudicare de necessitate, vel vtilitate Ecclesie non suæ: & ita etiam docet Nauarrus lib. 1. de temp. ordin. conf. 26.

Sup. hac illegimitate, casum in fine Ref. not. p. 2. c. 17.

2. Sed affirmatiuè respondeo cum Garcia de benef. tom. 1. part. 2. cap. 4. num. 14. ubi sic ait: Ampliatur, vt non solum possit eum ordinare Episcopus beneficij, sed etiam cum eo dispensare in interstitiis, & etiam in illegimitate ad minores Ordines: nam, cum ratione beneficij sit subditus illius, quoad Ordines, est etiam subditus quoad omnia concernentia Ordines, & illis annexa, ad 1. 2. ff. de iur. dist. omn. ind. Ita ille, & post illum Squillante de priu. Cler. cap. 4. num. 244. Acugna in Decretum Gratiani, part. 1. dist. 17. num. 7. & Machadus de perfect. Confess. tom. 2. lib. 4. part. 1. tract. 3. docum. 4. n. 5. ubi sic ait: [La quarta dificultad es, si el Obispo donde alguno tiene beneficio Ecclesiastico, no solo le pueda ordenar, sino tambien darle reuerendas, dispensar con el en los intersticios, e illegitimidad, &c. Garcia, y otros defienden que si; fundanse en que si por razon del beneficio, se le sugeta, quanto à las Ordines, tambien ha de quedar lugeto à todas las cosas concernientes à las Ordines: puede segun principio de derecho; Concesso aliquo, omne id. concedi videtur, sine quo illud existere non potest. No obstante, que Nauarro, y otros son de contrario parecer, porque el Obispo, donde esta el beneficio, no puede hazer juyzio en la dispensacion de los intersticios, &c. de la necesidad, ò vtilidad de Iglesia, que no es suya.] Ita ille: sed opinio Nauarri mihi non placet.

RESOL. XCVI.

An ex aliqua iusta causa possit Episcopus conferre maiores Ordines die Dominica?

Et supponitur, quod maiores Ordines non nisi in Sabbato Quatuor Temporum anni, aut in Sabbato Sancto, aut in Sabbato ante Dominicam Passionis dari possunt.

Et notatur, quod minores Ordines Episcopus conferre potest tribus, aut etiam pluribus in qualibet Dominica, aut festiua die, dummodo non videatur facere Ordinationem generalem.

Et consuetudo recepta Episcoporum concedit, vt Feria sexta vespere ante Sabbathum, in quo Sabbatho iure possunt omnes Ordines conferri, liceat dare Ordines minores.

Etiamsque aduertitur primam Tonfuram quouis anni tempore, quouis die, hora, & loco dari posse?

Et an minores Ordines simul cum Subdiaconatu eodem die, eidemque conferri possint? Ex part. 2. tract. 16. & Misc. 2. Refol. 28. alias 30.

§. 1. Supponendum est ex communi doctrina, cum Vasquez in 3. part. tom. 5. disp. 246. c. 5. n. 25. Bonacina de Sacram. disp. 8. quest. unica, punct. 6. num. 1. & alijs, quòd maiores ordines, non nisi in Sabbato quatuor temporum anni, aut in Sabbato sancto, aut in Sabbato ante Dominicam Passionis dari possunt. Hoc supposito, respondet affirmatiuè ad casum propositum Villalobos in sum. tom. 1. tr. 11. dub. 13. ubi sic ait. [Habe de aduertit, que tambien se pueden hazer los ordenes el Domingo siguiente por la mañana, con tal que el, que ordena, y el que se ha de ordenar continuen el ayuno del Sabado antes, porque entonces la mañana del Domingo, se trae al Sabado por la continuacion del ayuno, como dize vn texto. Mas esto no lo ha de hazer el Obispo sin necesidad, la qual feria si el Sabado no las pudo hazer, por hallarse enfermo, que entonces podra, diferir las para el otro dia.] Ita ille ex Henriquez què ipse minimè citat lib. 10. c. 12. n. 12. ubi ita asserit. Potest Episcopus maiores Ordines Dominica sequenti post Sabbathum prædictum conferre, si causa subit, dummodo ieiunium Sabbati continuet vsque ad Dominicam, quod continuari dicitur post Missam Sabbathi, nisi sumpserit absolutionem.

Sup. hoc infra in Ref. 99. §. 1. & 2.

2. Notandum est etiam circa præsentem materiam de temporibus ordinandorum, quod minores Ordines Episcopus conferre potest tribus, aut etiam pluribus in qualibet Dominica, aut festiua die, dummodo non videatur facere ordinationem generalem, & consuetudo Episcoporum recepta concedit, vt feria sexta vespere ante Sabbathum, in quo Sabbatho iure possunt omnes Ordines conferri, liceat dare Ordines minores. Ita Reginaldus tom. 2. lib. 30. tr. 1. c. 5. n. 26. Henric. ubi supra. Villalobos n. 4. & Vasquez, qui notat primam Tonfuram quouis anni tempore, quouis die, quouis hora, & loco dari posse, & contra Nauarrum, & alios non esse iure vetitum, eodem die quatuor minores Ordines, & vnum sacrum recipere, & aliquando testatur se vidisse minores Ordines simul cum Subdiaconatu, in eodem die eidem conferri. Ita ille ubi sup. n. 47. & 48. quidquid in contrarium asserat Reginaldus loco citato, n. 28. & alij.

Sup. hoc ibidem §. 1. ad mediū. ver. La primera: Sup. hos minores Ordines simul cū Subdiaconatu in Ref. seq. & alijs eius primæ not.

RESOL. XCVII.

An seclusa consuetudine, si adest alicubi, possit Episcopus